

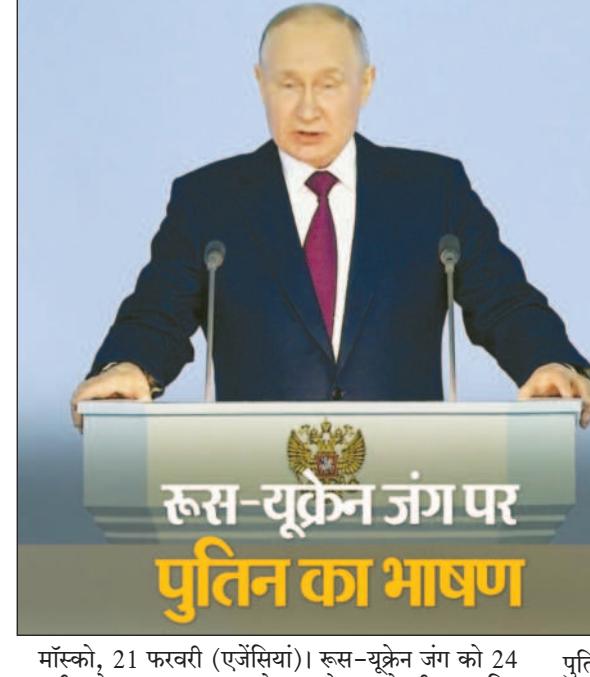


वर्ष-27 अंक : 339 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टनम, तिरुपति से प्रकाशित) फलमु शु.3 2079 बुधवार, 22 फरवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. शिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

# हमें हराना नामुमकिन : पुतिन

मदद भी नहीं चाहिए, पश्चिमी ताकतें यूक्रेन के कंधे पर रखकर बंदूक चला रहीं



## रूस-यूक्रेन जंग पर पुतिन का भाषण

मॉस्को, 21 फरवरी (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन जंग को 24 फरवरी का एक साल पूरा हो रहा है। इससे ठीक 3 दिन पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूस के लोगों का संबोधित किया। पुतिन ने कहा, रूस ने शुरूआत में जंग को टालने के लिए ताप्ता डिस्ट्रोमीटिक कार्बोनिक की ओर यूक्रेन का मामला नाटो और अमेरिका ने इहें कामयाच नहीं हाने दिया। हम अब भी बातचीत चाहते हैं, लेकिन इसके लिए शर्तें मंजूर नहीं हैं। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को लाना रेंडर फिफ्स सिस्टम दिए जा रहे हैं। हायर बॉर्डर पर इसकी वजह से खतरा मड़ा रहा है। रूस और यूक्रेन का मामला लोकल था। अमेरिका और उसके सहयोगियों ने इसे दुनिया का मामला बना दिया।

वेस्टर्न पार्वर्स की वजह से हड्डी जंग की शुरूआत :

पुतिन ने कहा, सच्चाई है कि इस जंग की शुरूआत वेस्टर्न पार्वर्स की वजह से हुई। हमने उस बहु भी हास मुमकिन कोशिश की। वो लोग कीव और यूक्रेन के कंधों पर रखकर बंदूक चला रहे हैं, उन्हें मूर्ख बना रहे हैं। हम

अपने बतन की हिफाजत करना बखूबी जाना है। अमेरिका और उसके साथी में जंग को खातिर दूसरों को मोहरा बना रहे हैं। वेस्टर्न पावर ने हमें जंग के जिन्हों को बोलते से बाहर निकाला है, और वो ही ये वापस बोलते में डाल सकते हैं। हम तो सिर्फ अपने देश और लोगों को फिजाजत करना चाहते हैं और यही को भी रहे हैं। वेस्टर्न लीडर्स ने सिर्फ धोखेबाजी की :

जहा तक डानोबास इलाके का मामला है तो हमने हमेशा कहा कि यहले इसे जाना चाहिए कि सोलझा लिया जाए, लेकिन रूस पर इजाजत लगाने वाले ये भी देखे ले कि वेस्टर्न लीडर्स का क्या रोल रहा। इन लोगों ने लगातार धोखेबाजी की ओर छूट बोला। वेस्टर्न पावर समझ देता नहीं जाता। वो पूरी दुनिया पर थूकों की कोशिश करते हैं। यही तरीका वो अपने देश की जनता के साथ भी अपनत है।

कीव अकेले नहीं सुलझा सकता

डानोबास का भासना :

पुतिन ने कहा, वेस्टर्न की हाकतों को लाना से हमें यूक्रेन पर हमला करना पड़ा। अपनी हिफाजत के लिए, यूक्रेन पर अटक जरूरी था। डानोबास के लोगों ने तो रूस सरकार से मदद मांगी थी। जिस तरह इन ताकतों ने यूरोपीलोगिया, यूक्रेन और बायाना को लगातार धोखेबाजी के नाम से बाहर किया, वही ये यूक्रेन के साथ भी करना चाहते हैं।

ये ध्यान रखना चाहिए कि रूस अपनी इज्जत से समझौता नहीं है। पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को लाना रेंडर फिफ्स सिस्टम दिए जा रहे हैं। हायर बॉर्डर पर इसकी वजह से खतरा मड़ा रहा है। रूस और यूक्रेन का मामला लोकल था। अमेरिका और उसके सहयोगियों ने इसे दुनिया का मामला बना दिया।

वेस्टर्न पार्वर्स की वजह से हड्डी जंग की शुरूआत :

पुतिन ने कहा, सच्चाई है कि इस जंग की शुरूआत वेस्टर्न पार्वर्स की वजह से हुई। हमने उस बहु भी हास मुमकिन कोशिश की। वो लोग कीव और यूक्रेन के कंधों पर रखकर बंदूक चला रहे हैं, उन्हें मूर्ख बना रहे हैं।

अमेरिका ने हमेशा रूस को नजरअंदाज किया :

हमें तो वेस्टर्न पार्वर्स से भी बातचीत करने में काई दिक्कत नहीं है। हम चाहते हैं कि हमारे बीच जॉन्स एंटर्सियर्टी

प्रियों के जावाहे के लिए वाले रहे।

जंग के मैदान में रूस को हराना नामुमकिन

हमारी जंग यूक्रेन के लोगों से नहीं है, क्योंकि वो तो वहाँ की हुक्मत के बंधक हैं। दुनिया ये कान खोलकर सुन ले कि रूस को जंग के मैदान में हराना नामुमकिन है। दूरअसल, वेस्टर्न पावर चाहते हैं कि यूरोप में वो पुलिस का रोल अदा करें। हम अपने बच्चों पर काई खतरा नहीं अनें देंगे।

जी-7 संगठन ने जंग पर 150 अब डॉलर खर्च किए

दुनिया के सभी अमेरिकी देशों के संगठन जी-7 ने ग्रीब देशों की मदद के लिए 60 अब डॉलर दिए। ये अच्छी बात है। मगर वे भी दोखिए कि उन्होंने जंग के लिए 150 अब डॉलर का फॉन रखा। ये दोगलापन नहीं तो और क्या है?

बाइडेन ने भी सुना पुतिन का भाषण :

पुतिन ने करीब एक घंटा अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यह सीधे मौजूद अमेरिका के लिए एक घंटा दिया। वार्षिक अमेरिका और वेस्टर्न पावर्स पर पुतिन के आरोपों का तपस्सील के जावाहे देंगे।

सोनू निगम के कीव पहुंचे थे बाइडेन :

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन सोमवार को अचानक यूक्रेन की राजधानी की घृणा पहुंचे।

सोनू के साथ सलझा लिया जाएगा। यहाँ वे यूक्रेन के राष्ट्रपति वॉल्टेर मिलोमिर जेलेंस्की के साथ नजर आए। बाइडेन के बाद वो सोनू को यूक्रेन की किसी को कानों-कान खबर नहीं हुई। दरअसल, प्रेसिडेंट बाइडेन शनिवार रात (भारत में रविवार तड़क) पोर्टेंट गए थे। यहाँ से वो एक घटे का सफर करके ट्रेन के जरिए कीव पहुंच गए।

सोनू निगम से धक्का-मुक्की

मंबई, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

मंबई के चैंबर इलाके में लाइब्रेरी के दौरान सिंगर निगम के साथ धक्का-मुक्की की गई। घटना सोनू के साथ सलझा लिया जाएगा।

एरोप उद्वाग गृह के विधायक चाकर उड़ान के बोर्ड एंटरेंट के लिए एक घंटा दिया जाएगा।

बायोसी की डॉक्यूमेंट्री को लेकर उन्होंने कहा कि अज़कल को नोट कींग, मैंने ये कामी करा चाहीं।

1984 में दिल्ली में जो हुआ, उस पर डॉक्यूमेंट्री क्यों नहीं बीमी :

बायोसी की डॉक्यूमेंट्री को लेकर उन्होंने कहा कि अज़कल को नोट कींग, मैंने ये कामी करा चाहीं।

1984 में दिल्ली में जो हुआ, उस पर डॉक्यूमेंट्री क्यों नहीं बीमी :

बायोसी की डॉक्यूमेंट्री को लेकर उन्होंने कहा कि अज़कल को नोट कींग, मैंने ये कामी करा चाहीं।

यहाँ वे यूक्रेन की राजधानी की घृणा पहुंचे।











अयोध्या के इस मंदिर में  
होती है निषाद राज की पूजा



कहते हैं अयोध्या के कण-कण में प्रभु श्रीराम वास करते हैं। अयोध्या की महिमा त्रेता युग से चली आ रही है। सैकड़ों वर्षों के बाद जैसे ही सुग्रीव कोर्ट का फैसला आया राम भक्तों के साथ-साथ पूरा विश्व अयोध्या पर केंद्रित हो गया।

मठ-मंदिरों की इस नगरी में आधात्म और सनातन संस्कृति का समागम इतना गहरा है कि यहां आने वाला हर कोई प्रभु का दोकर रह जाता है। यही कारण है कि रामनगरी अयोध्या के हर मठ-मंदिर की अपानी पंपांपा और अपानी पहचान है। ऐसे ही एक मंदिर की बात आज हम करने जा रहे हैं, जिस आप आज तक अनजान थे।

**जानिए क्या है निषाद मंदिर की परंपरा**  
न्यूज 18 से बात करते हुए मंदिर के पुजारी तुलसीदास निषाद वताते हैं कि मंदिर सैकड़ों वर्ष पुराना है। लेकिन इस मंदिर में खास बात यह भी है कि इस मंदिर में पुजारी भी उसी जाति का है। यानी कि निषाद मंदिर में पुजारी निषाद समुदाय का ही रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जेता युग में जिस तरह भगवान राम और निषादराज कवर की मित्रता थी।

**जानिए निषाद राज मंदिर का पता**  
ठीक उसी तरह कलयुग में निषाद मंदिर में निषाद समाज के पुजारी भगवान राम, माता सीता और भैया लक्ष्मण की पूजा आराधना करें। बताते जैसे कि अयोध्या में देही बाजार के पास निषाद राज का मंदिर है। जहां भगवान राम माता, जानकी और निषादराज विराजमान हैं। भगवान राम के साथ ही निषाद राज इसलिए इस मंदिर में निषादराज की प्रतिमा स्थापित की गई है। इस मंदिर में सुबह और शाम आरती की जाती है।

## फाल्गुन माह की विनायक चतुर्थी?

बनेंगे  
सर्वार्थ सिद्धि समेत 4 शुभ योग, भूलवश भी  
नहीं देखते हैं चंद्रमा

**फाल्गुन**  
शुक्ल चतुर्थी तिथि का प्रारंभ 23  
फरवरी को प्रातः 03 बजकर 24 मिनट पर  
होगा। फाल्गुन विनायक चतुर्थी व्रत के दिन  
4 शुभ योग बन रहे हैं।

फाल्गुन विनायक चतुर्थी 2023 तिथि  
हिंदू कैलेंडर के अनुसार, हर माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि का विनायक चतुर्थी व्रत रखते हैं। फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि का प्रारंभ 23 फरवरी को प्रातः 03 बजकर 24 मिनट पर होगा और इस तिथि का समाप्ति अगले दिन 24 फरवरी शुक्लवार को 01 बजकर 33 एम पर होगा। उदयतिथि के आधार पर विनायक चतुर्थी व्रत 23 फरवरी गुरुवार को रखा जाएगा।

**विनायक चतुर्थी पूजा मुहूर्त**  
23 फरवरी को विनायक चतुर्थी पूजा का शुभ मुहूर्त दिन में 11 बजकर 26 मिनट से दोपहर 01 बजकर 43 मिनट तक है। इस समय में आपको भगवान गणपति बप्पा की पूजा विधिपूर्वक कर लेनी चाहिए।

**विनायक चतुर्थी पूजने के शुभ योग**  
इस साल फाल्गुन के विनायक चतुर्थी व्रत के दिन चार शुभ योग बन रहे हैं। इस दिन प्रातःकाल से ही शुभ योग बना है, जो गत 08 मिनट तक रहता है। उसके बाद से शुक्ल योग प्रारंभ हो जाएगा, जो पूरी रात रहता है। और अगले दिन शाम तक होगा।

**विनायक चतुर्थी के दिन नहीं देखते चंद्रमा**  
विनायक चतुर्थी व्रत में चंद्रमा को देखना वर्जित है। इस दिन चंद्रमा को देखने से झूठा कलंक लगता है। ऐसी धार्मिक मान्यता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, चौथ का चांद देखने से भगवान श्रीकृष्ण पर मणि चोरी करने का आरोप लगा था।

**विनायक चतुर्थी के दिन रवि योग पूरे समय तक रहेगा, वहाँ रवि योग सुबह 06 बजकर 53 मिनट से अगले दिन प्रातः 03 बजकर 44 मिनट तक रहेगा।**



तिजोरी और पर्स में रखें ये 1 चीज  
किस्मत चमकते देर नहीं लगेगी



सबसे अच्छे प्राकृतिक एंटीबॉडीटिक के रूप में प्रासिद्ध हल्दी ना सिर्फ खाने के काम आती है, बल्कि कई तरह के ज्योतिषी उपाय में भी असरकारक मानी गई है। हल्दी के आयुर्वेद में कई उपाय बताए गए हैं। ये कई वीमारियों के लिए उपयोगी होती हैं। शादी-विवाह में दूल्हा-दूल्हन को हल्दी लगाने की भी एक रस्म होती है। इससे दूल्हा-दूल्हन के चेहरे पर रंगत आती है। आज के इस आटिकल में भोजाल निवारण ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हिंतेद्र कुमार शर्मा हल्दी की गोंठ के उपयोग बताने जा रहे हैं, जो तिजोरी और पर्स में धन की कमी नहीं होने देंगे।

**1. रुक्मिणी धन मिलेगा बप्पा**

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि आपको धन लाकर समय से कहीं रुका है और आप चाहते हैं कि वो आपको वापस मिल जाए तो आप कुछ चावल के दाने ले और उसे हल्दी से रंग लें। अब इन चावल को आप अपने पर्स और तिजोरी में रखें। इस उपाय से आपका रुका धन वापस आ सकता है।

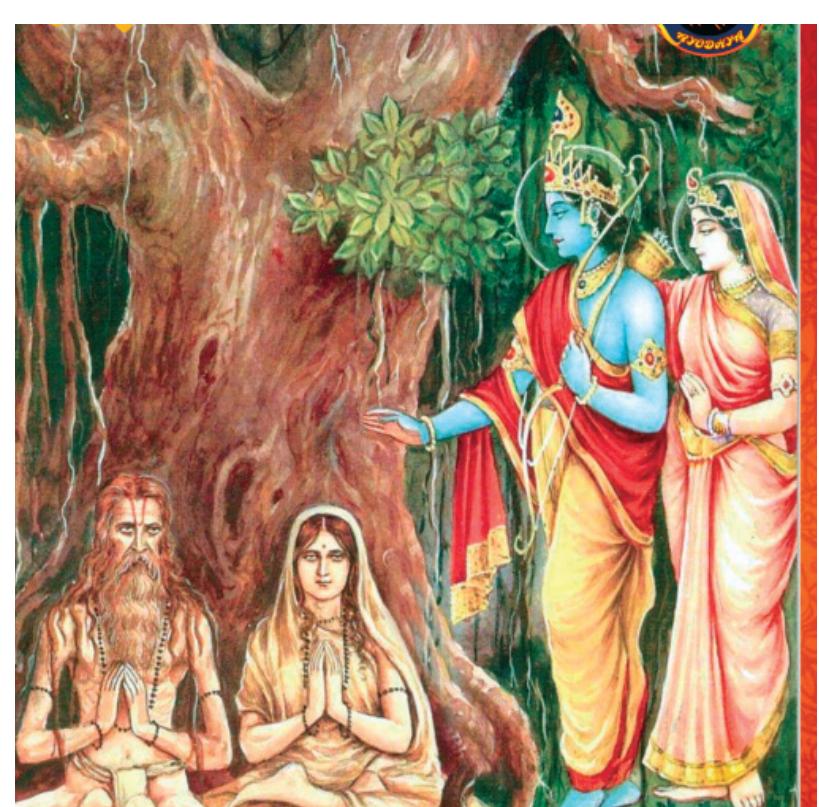
कई बार ऐसा होता है कि हम लाख प्रयास करें, हमें वो सफलता नहीं प्राप्त होती, जिसकी हमने कामना की है। इसके लिए हल्दी से जुड़ा उपाय आपके लिए लाभकारी हो सकता है। इधरके लिए आपको हल्दी की 11 या 21 गोंठों से भगवान गणेश की अर्पित करें। इब उस माला को भगवान गणेश का आशीर्वद प्राप्त होगा और आपको सफलता प्राप्त होगी।

**3. रुक्ने लगेगा पैसा**

यदि आप अच्छा खासा पैसा कमा रहे हैं, बावजूद हस्के आपको आर्थिक तंगी रहती है तो एक लाल कपड़ा लें। उसमें हल्दी की एक गोंठ बांधकर तिजोरी में रख दें। इस उपाय से आपके पास पैसा रुकने लगेगा।

## धरती पर सबसे पहले किसने की शादी और कौन बने पहले दंपत्ति?

हिंदू धर्म में विवाह सिर्फ दो लोगों का शिष्ट ही नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन माना जाता है। विवाह के दोरेन इकट्ठा प्रकार के रीति-रिवाज अपनाएं और किए जाते हैं। इन दिनों हमारे देश में शदियों का सीजन भी चल रहा है। हमें अपने घर के आसपास अक्सर बैड बाजार और डीजों की आवाज सुनाई देती है। शादी के शिष्ट के हिंदू धर्म में वहाँ ही पवित्र माना जाता है, लेकिन क्या आजने कभी सोचा है कि विवाह की रस्में किसने बनाई? कहाँ से यह परंपरा शुरू हुई और धरती पर पहली बार शादी किसने की थी? यदि नहीं तो चिलए जानते हैं तो भोजाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हिंतेद्र कुमार शर्मा से।



धरती पर पहली बार आमना-सामना हुआ

तब भगवान ब्रह्मसा से मिले संस्कारों और अनेक दिशा मिली।

करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ जाता है और इससे घर की आर्थिक उन्नति में बाधाएं उत्पन्न होती हैं। घर में रखा पैसा बवांद होने लगता है ऐसे में यदि आपने भी बाथरूम में स्वास्थ्य के लिए कोई तस्वीर या फोटो लाई हो तो उसे तुरंत हटा लें।

**2. चप्पल का रखें विशेष ध्यान**

बहुत से लोग अपने घर के बाथरूम में इस्तेमाल करने के लिए चप्पल रखते हैं लेकिन बाथरूम में अलग से चप्पल रखने समय ये ध्यान रखना चाहिए कि यह सदैव दरवाजे के बाहर ही हो और

## बाथरूम में भूलकर भी न रखें ये 3 चीजें, हो सकता है बड़ा नुकसान

हर कोई चाहता है कि उसका जीवन खुशियों के साथ व्यतीत हो। खुशहाल जीवन की तमन्ना हर व्यक्ति के अंदर होती है लेकिन कई बार ऐसा देखने में आता है कि बहुत मेहनत करने के बाद भी लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होती। कई बार इसकी वजह से जीवन के बाहर होती है, वास्तु शास्त्र में जितना महत्व बाथरूम और किचन को दिया जाता है उतना ही महत्व बाथरूम की माना गया है।

ऐसा माना जाता है कि कुछ ऐसी चीजें होती हैं जिन्हें भूल कर भी हमें अपने घर के बाथरूम में नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से घर में बास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है। इस विषय में अधिक जानकारी दे रहे हैं भोजाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हिंतेद्र कुमार शर्मा।

**1. न लगाएं कोई तस्वीर**

वास्तु शास्त्र की माने तो बाथरूम में किसी भी प्रकार की कोई तस्वीर या फोटो नहीं लगाइ जानी चाहिए। माना जाता है ऐसा

चप्पल एकदम सही सलामत हो। टूटी हुई चप्पल बाथरूम में बिल्कुल भी नहीं रखनी चाहिए।

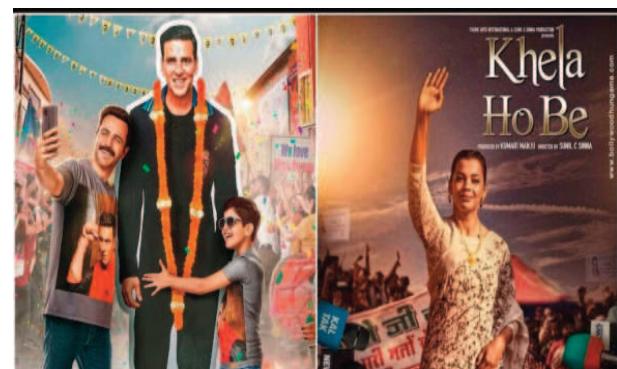
**3. कपड़ों को लेकर बाथरूम में रखना चाहिए**

बहुत से लोग बाथरूम में कपड़े धो कर उन कपड़ों को वहाँ न ले जाएं। कपड़े रखने से लोग उत्पन्न हो सकता है। बाथरूम में ज्यादा देर तक कपड़े भिगोकर भी नहीं रखना चाहिए।

## इस हफ्ते सिनेमाघरों में रिलीज होंगी 34 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर मचेगा तहलका

फरवरी का पहला और दूसरा हफ्ता सिनेमाघरों के लिए बैहद जबरदस्त रहा। इन दिनों फिल्मों की बात करें तो हर जबां पर सिर्फ 'पठान' का नाम है। इस फिल्म 25 जनवरी को रिलीज हुई थी और सिनेमाघरों में अब तक इसका दबदबा बना हुआ है। शुक्रवार से पहले बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ एक ही नाम गूँज रहा था और वह शास्त्ररूप खान की फिल्म 'पठान' था। लेकिन बैहद दिन इसकी कमाई को प्रभावित करने के लिए 'शहजादा' और 'एंट मैन' ने एंटर्नी मारी है। फिल्म पठान ने 25वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 3.50 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस एक्शन ड्रामा ने अब तक कुल 511.60 रुपये की कमाई की है। तो वहीं फरवरी के चौथे हफ्ते में एक साथ कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं। दिल थाम कर बैठें... सोमवार से शुरू हो रहा इस हफ्ते में हिंदी की तीन बड़ी फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। वहीं, तमिल, कन्नड़, मलयालम के साथ अन्य भाषाओं की बड़ी बोलियारिन फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। तो चलिंग बिना देर किए एक नजर डालते हैं इस हफ्ते 20 फरवरी से 26 फरवरी तक रिलीज होने वाली फिल्मों की पूरी लिस्ट रुप... हिंदी में रिलीज होने जा रही हैं ये फिल्में

इस हफ्ते बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं। पहली फिल्म अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की मोस्ट अवेटेड कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'सेल्फी' रिलीज होने जा रही है। फिल्म में डायना पेटी और नुसरत भरुचा ने फिल्म लीड रोल्स निभाये हैं। बता दें की इस फिल्म 'खेला होवे' का टाइटल परिचय बॉलीवुड के बौद्धिम विदेशक सुनील सी सिन्हा की फिल्म 'अफवाह' निर्देशक द्वारा बॉक्स ऑफिस पर 3.50 करोड़ रुपये की कमाई की है। इस एक्शन ड्रामा ने अब तक कुल 511.60 रुपये की कमाई की है। तो वहीं फरवरी के चौथे हफ्ते में एक साथ कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं। दिल थाम कर बैठें... सोमवार से शुरू हो रहा इस हफ्ते में हिंदी की तीन बड़ी फिल्में रिलीज होने जा रही हैं। वहीं, तमिल, कन्नड़, मलयालम के साथ अन्य भाषाओं की बड़ी बोलियारिन फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। तो चलिंग बिना देर किए एक नजर डालते हैं इस हफ्ते 20 फरवरी से 26 फरवरी तक रिलीज होने वाली फिल्मों की पूरी लिस्ट रुप...



पर देख पाएंगे। और यह होगा पेनेकर की फिल्म 'अफवाह' निर्देशक सुनील सी सिन्हा की फिल्म 'खेला होवे' के बार है, जब नवाज और भूमि पद्मे हैं।



पर एक साथ अभिनय करते हुए नजर आएंगे। तो वहीं फिल्म का निर्देशन सुधीर मिशा ने किया है, जबकि अनुभव सिन्हा और भूमि कुमार निर्माण हैं। तो वहीं बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अभिनेत्री भूमि



इस हफ्ते कन्नड़ भाषा की दिस जरिए। बता दें की इस फिल्म 'खेला होवे' का टाइटल परिचय बॉलीवुड के बौद्धिम विदेशक सुनील सी सिन्हा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के चुनावी नारे से प्रेरित है। तो वहीं बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अभिनेत्री भूमि

## भारी भरकम बजट वाली फिल्मों से बेहतर हैं ये शॉर्ट मूवीज, गंभीर मुद्दों पर फोकस कर बटोरी वाहवाही



बदलते बजट से साथ लोगों के पास समय की काफी किलत रहती है। यहां तक कि लोग अपने लिए भी समय नहीं निकाल पाते हैं कि वह कोई फिल्म देख लें या पिर कहीं धूम कर आ जाए। अक्षर लोगों को फिल्में देखना बहुत पसंद है लेकिन बिजी शेड्यूल के चलते वहीं है। फिल्म में मॉडन इंटरेंटों को लेकर दिखाया गया है। इसमें जैकी ऑफ और नीना गुप्ता नजर आई हैं। उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों पर अच्छा प्रभाव डाला है।

### जय नाना दी

जय नाना दी टेरेबली टाइनी टेल्स की एक बेहतरीन शॉर्ट फिल्म है। यह शॉर्ट फिल्म एक अविवाहित जोड़े पर बनी है जो एक साथ रहना चाहते हैं लेकिन समाज उन्हें इसकी अनुमति नहीं देता है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे यह जड़ा लिया इन रिलेशनशिप में रहने के लिए अनाखे और अलग तरीके निकालते हैं। कौफिंक समाज उन्हें इसकी अनुमति नहीं देता है। इसकी अनुराग कश्यप और सुवीन चावला द्वारा आई है। फिल्म में अनुराग कश्यप का सुरवान चावला के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर आधारित है। इस फिल्म में अनुराग कश्यप का सुरवान चावला के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर होता है। जिसकी जानकारी पल्ली टिक्का चोपड़ा को होती है।

### छुटी

फिल्म में टिक्का चोपड़ा, अनुराग कश्यप और सुवीन चावला नारे आई हैं। फिल्म में तीनों की परस्परियत को खूब पसंद किया है। छुटी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर आधारित है। इस फिल्म में अनुराग कश्यप का सुरवान चावला के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर होता है। जिसकी जानकारी पल्ली टिक्का चोपड़ा को होती है।

और वह सुरवान को धमकी देने के लिए पहुंचती है। फिल्म ने लोगों को काफी इंतेस किया था।



किया है। वह शॉर्ट फिल्म से लेकर लॉन्ग फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। शेफाली की शॉर्ट फिल्म जूस एक मध्यम वार्षीय गृहिणी के जीवन पर आधारित है। इस शॉर्ट फिल्म में दिखाया जाता है कि किस प्रकार से महिल घर की स्वर्णी में मेहमानों के लिए खाना तैयार करती है। वहीं पति अपने मेहमानों के साथ बैठकर आंदं लेता है। इस फिल्म में बिना के एक बेहतर विषय को सरलता से पेश किया गया है। जूस फिल्म भले ही शॉर्ट है लेकिन



और वह सुरवान को धमकी देने के लिए पहुंचती है। फिल्म ने लोगों को काफी इंतेस किया था।



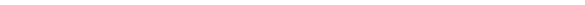
किया है। वह शॉर्ट फिल्म से लेकर लॉन्ग फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। शेफाली की शॉर्ट फिल्म जूस एक मध्यम वार्षीय गृहिणी के जीवन पर आधारित है। इस शॉर्ट फिल्म में दिखाया जाता है कि किस प्रकार से महिल घर की स्वर्णी में मेहमानों के लिए खाना तैयार करती है। वहीं पति अपने मेहमानों के साथ बैठकर आंदं लेता है। इस फिल्म में बिना के एक बेहतर विषय को सरलता से पेश किया गया है। जूस फिल्म भले ही शॉर्ट है लेकिन



और वह सुरवान को धमकी देने के लिए पहुंचती है। फिल्म ने लोगों को काफी इंतेस किया था।



किया है। वह शॉर्ट फिल्म से लेकर लॉन्ग फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। शेफाली की शॉर्ट फिल्म जूस एक मध्यम वार्षीय गृहिणी के जीवन पर आधारित है। इस शॉर्ट फिल्म में दिखाया जाता है कि किस प्रकार से महिल घर की स्वर्णी में मेहमानों के लिए खाना तैयार करती है। वहीं पति अपने मेहमानों के साथ बैठकर आंदं लेता है। इस फिल्म में बिना के एक बेहतर विषय को सरलता से पेश किया गया है। जूस फिल्म भले ही शॉर्ट है लेकिन



और वह सुरवान को धमकी देने के लिए पहुंचती है। फिल्म ने लोगों को काफी इंतेस किया था।



किया है। वह शॉर्ट फिल्म से लेकर लॉन्ग फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। शेफाली की शॉर्ट फिल्म जूस एक मध्यम वार्षीय गृहिणी के जीवन पर आधारित है। इस शॉर्ट फिल्म में दिखाया जाता है कि किस प्रकार से महिल घर की स्वर्णी में मेहमानों के लिए खाना तैयार करती है। वहीं पति अपने मेहमानों के साथ बैठकर आंदं लेता है। इस फिल्म में बिना के एक बेहतर विषय को सरलता से पेश किया गया है। जूस फिल्म भले ही शॉर्ट है लेकिन



और वह सुरवान को धमकी देने के लिए पहुंचती है। फिल्म ने लोगों को काफी इंतेस किया था।



किया है। वह शॉर्ट फिल्म से लेकर लॉन्ग फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। शेफाली की शॉर्ट फिल्म जूस एक मध्यम वार्षीय गृहिणी के जीवन पर आधारित है। इस शॉर्ट फिल्म में दिखाया जाता है कि किस प्रकार से महिल घर की स्वर्णी में मेहमानों के लिए खाना तैयार करती है। वहीं पति अपने मेहमानों के साथ बैठकर आंदं लेता है। इस फिल्म में बिना के एक बेहतर विषय को सरलता से पेश किया गया है। जूस फिल्म भले ही शॉर्ट है लेकिन



और वह सुरवान को धमकी देने के लिए पहुंचती है। फिल्म ने लोगों को काफी इंतेस किया था।



किया है। वह शॉर्ट फिल्म से लेकर लॉन्ग फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। शेफाली की शॉर्ट फिल्म जूस एक मध्यम वार्षीय गृहिणी के जीवन पर आधारित है। इस शॉर्ट फिल्म में दिखाया जाता है कि किस



स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

बुधवार, 22 फरवरी 2023 9

## चालीस की उम्र के बाद अकेले रहना चाहते हैं लोग, इनमें ज्यादातर महिलाएं

दुनिया में एक ओर तो अकेलापन बढ़ रहा है, जिससे लोग तनाव में हैं। वहाँ दूसरी ओर लोगों को अकेले रहना अच्छा लगने लगा है। अकेले रहने का मतलब अकेलेपन का शिकार होना नहीं है। प्यूरिस्वर्च सेटर के आंकड़े के मुताबिक सिर्फ अमेरिका में ही इस वक्त 40% एडल्ट्स अकेले रह रहे हैं। इनमें से आधे डेटिंग या फिर किसी से कैज़ाउल लिंगेशन में भी नहीं बंधन चाहते।

सिंगर लोगों की दोस्ती और खुशी का स्तर दोनों बढ़ रहा है, जिससे लोग तनाव में हैं। वहाँ दूसरी ओर लोगों को अकेले रहना अच्छा लगने लगा है। अकेले रहने का मतलब अकेलेपन का शिकार होना नहीं है।

प्रोफेसर ज्योफ़ मैकडोनाल्ड कहते हैं- हम अकेले रहने वाले लोगों की कहानियाँ बहुत कठोर होते हैं, ताकि यह पता चल सके कि अकेले रहने की चाहत क्यों बढ़ रही है और क्यों वे दुनिया के करीब होर समाज के लिए पंचिंग बैग बन रहते हैं। मैकडोनाल्ड हैं- 40 साल की उम्र के बाद पुरुषों में अकेले रहने की चाहत बढ़ती है। वे ज्यादा खुश होते हैं और जहाँ इस उम्र तक आते-आते ज्यादातर शादीशुदा पुरुष अपने दोस्त खोते जाते हैं। अकेले रहने वालों की दोस्ती और खुशी का स्तर दोनों बढ़ रहा है, जिससे लोग तनाव में हैं। वहाँ दूसरी ओर लोगों को अकेले रहना अच्छा लगने लगा है। अकेले रहने का मतलब अकेलेपन का शिकार होना नहीं है।

प्रोफेसर ज्योफ़ मैकडोनाल्ड कहते हैं- हम अकेले रहने वाले लोगों की कहानियाँ बहुत कठोर होते हैं, ताकि यह पता चल सके कि अकेले रहने की सबसे बड़ी वजह चाहत नहीं होती, उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उनसे कहीं ज्यादा खराब होता है जो कभी संबंधों में नहीं रहे होते हैं।



रोमांटिक संबंधों में रहने वाले लोग अकेले रहने वालों से ज्यादा बहुत जाते हैं। सेटर वैरिबार में रहने वाली 69 साल की सोशल साइकोलॉजिस्ट बेला डेपैल कहती है- लोग जिनमें ज्यादा महत्वाकांक्षी होते हैं, अकेले रहना चाहते हैं। ज्यास्तर पर महिलाएं। मैं सारी जिंदगी का यात्रा के साथ रहने की चाहत सोची, लेकिन पिछे एहसास हुआ कि अकेले रहना ही सारथक है। यह मेरी आजादी और पहचान है।

प्रोफेसर ज्योफ़ मैकडोनाल्ड कहते हैं- हम अकेले रहने वाले लोगों की कहानियाँ बहुत कठोर होते हैं, ताकि यह पता चल सके कि अकेले रहने की सबसे बड़ी वजह चाहत नहीं होती, उनका अनुसार, अकेले रहने की सबसे बड़ी वजह आजादी है। अकेले रहने वालों को लगता है कि वे खुद को ज्यादा समय दे पाएंगे। अपने लक्ष्य बिना कहते हैं- कई दशकों से शादियाँ कम हो रही हैं। अपर असल, अब शादी और बाई-बच्चों की ज्यादा प्रतिवार बनाने के लिए अनिवार्य नहीं है और उन ही वित्तीय स्थायित्व के लिए।

मैकडोनाल्ड कहते हैं- अब तक के शोधों से पता चला है कि

जब भी किसी की शादी होती है तो एक नए रिश्ते का आगांठ होता है। ऐसा माना जाता है कि पर्ट-पल्नी का रिश्ता जिनमें मजबूत हो उनमें ज्यादा अच्छा होता है। पर, कई बार ऐसा होता है कि शादीशुदा जिंदगी में बिना आपके कछु किए परेशनियाँ आने लगती हैं। इसकी वजह से संतुष्ट होते हैं। वहीं कई शोध यह भी बताते हैं कि जिन लोगों की शादीशुदा जिंदगी बहुत नहीं होती, उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उनसे कहीं कहीं ज्यादा खराब होता है जो कभी संबंधों में नहीं रहे होते हैं।

आज हम आपके लोगों की कुछ

को भी पसंद नहीं आयी। लोग कुछ दिन बाद इस आदत से परेशान होने लगते हैं। इसीलिए परेशानी के बबत बैठकर बात करें ना कि चिल्लान शुरू कर दें।

### पर्टर करना

कई बार देखा जाता है कि लड़के अपने पार्टनर को जलाने के लिए कपल्स में दूरियों आने लगते हैं। ये बात किसी भी लड़की की पसंद नहीं होती। कई मामलों में लड़कियाँ भी ये काम करती हैं। जिस वजह से उनके रिश्ते में खटास आने लगती है। इससे आपके पार्टनर

### शादीशुदा जिंदगी को बर्बाद कर सकती है आपकी ये आदतें



का भरोसा भी कम होने लगता है।

### ब्लैंक गेम

जब भी आपकी आपके पार्टनर के साथ बहस होती है तो कभी लड़ेगे गेम ना खेलें। हमें आगे बढ़कर अपनी गलती माननी चाहिए। इससे आपके प्रश्नोंका हुआ? ये कुछ ऐसे में वे अपने अन्य दोस्तों के लिए बोझ की तरह महसूस कर सकते हैं। लिहाजा वे अपने मन की बातें किसी दूसरे छात्र से शेयर करने में हिचकिचते हैं।

हालांकि इसका सकारात्मक पहलू यह है कि गोपनीय वाते साझा करने से नजदीकियाँ बढ़ती हैं। उन्हें दुनिया में कम अपने अन्य दोस्तों के लिए बोझ की तरह महसूस कर सकते हैं। लिहाजा वे अपने मन की बातें किसी दूसरे छात्र से शेयर करने में हिचकिचते हैं।

एक दूसरे का विश्वास जीतने में भी

आ रही है कि किनाराई।

स्ट्रेट अन्य छात्रों पर भरोसा जताने और उन पर विश्वास करने में किनाराई का सामना कर रहे हैं। इससे वे असहज हो जाते हैं। ओलिविया वे बताया कि असहर जब वे दोस्तों को मैसेज भेजते हैं तो उस मैसेज को देखा पढ़कर अफसोस महसूस करते हैं। उन्हें चिंता रहती है कि इससे उनकी छात्री को खराब किया जा सकता है।

एक दूसरे का विश्वास जीतने में भी

आ रही है कि किनाराई।

स्ट्रेट अन्य छात्रों पर भरोसा जताने और उन पर विश्वास करने में किनाराई का सामना कर रहे हैं। इसके चलते इसका सकारात्मक पहलू यह है कि गोपनीय वाते साझा करने से नजदीकियाँ बढ़ती हैं। उन्हें दुनिया में कम अपने अन्य दोस्तों के लिए बोझ की तरह महसूस करने में हिचकिचते हैं। उन्हें तुनिया में कम अपने अन्य दोस्तों के लिए बोझ की तरह महसूस करने में हिचकिचते हैं। उन्हें दुनिया में कम अपने अन्य दोस्तों के लिए बोझ की तरह महसूस करने में हिचकिचते हैं। उन्हें दुनिया में कम अपने अन्य दोस्तों के लिए बोझ की तरह महसूस करने में हिचकिचते हैं।

## सड़क हादसों का कारण बनता है सड़क सम्मोहन

कई बार लोग अपनी ही दुनिया में खो जाते हैं। जैसे-जैसे ज्यादा भी सामान्य है। लेकिन ये तब मुश्किल में डाल सकती है जब व्यक्ति सड़क पर गाड़ी चला रहा है। ऐसा लेखे

में किसी सड़क दुर्घटना के बाद चालक को ये कहते हुए सुना होता कि उसे याद ही नहीं है कि गाड़ी कैसे टकरा गई। ये स्थिति सड़क सम्मोहन की है। ज्यादा देर तक और लगातार ड्राइव करने पर सड़क सम्मोहन हो सकता है। ऐसी स्थिति में चालक की आंखें तो खुली रहती हैं, परंतु उसका दिमाग कहीं और होता है। इसके कारण उसे सामने से आ रही गाड़ियों का भी आभास नहीं होता और आस-पास होने वाली गतिविधियाँ भी याद नहीं रहतीं। अगर समय रहते होश वापस नहीं आता है तो दुर्घटना भी हो सकती है।

क्यों होता है सड़क सम्मोहन?

\* गाड़ी चलाते समय अचानक दिमाग में कुछ और बातें चलने लगती हैं।

\* लगातार पलकों को न जापकाना भी कराए हो सकता है।

\* कभी-कभी यासों के किनारे कोई भी दुकान नहीं हो दिखते या खाली सड़क पर लगातार गाड़ी चलाने से ऐसा हो सकता है।

\* बीमार या बहुत थकी हुई हालत में गाड़ी चलाने से यह समस्या हो सकती है।

बदाव ऐसे समय है...

दिमाग को सक्रिय रखें...

गाड़ी चलाते समय अपने दिमाग को सक्रिय रखें। यदि नीट आए तो थोड़ी देर के लिए किसी स्थान पर रुके और चाचा भी पी सकते हैं। इसके साथ ही दिमाग को सक्रिय रखने के लिए बीच-बीच में गाने रहे रहें।

\* बीमार या बहुत थकी हुई हालत में गाड़ी चलाने से यह समस्या हो सकती है।

बदाव ऐसे समय है...

दिमाग को सक्रिय रखें...

गाड़ी चलाते समय अपने दिमाग को सक्रिय रखें। यदि नीट आए तो थोड़ी देर के लिए किसी स्थान पर रुके और चाचा भी पी सकते हैं। इसके साथ ही दिमाग को सक्रिय रखने के लिए बीच-बीच में गाने रहे रहें।

\* बीमार या आराम करें...

लगातार काम से जाहिर होता है तो हर 100 किमी ड्राइव करने के बाद कहीं भी गाड़ी रोककर काम से कम तक

बिंदा आराम करें। इससे सारी शक्ति थकान दूर होगी।

और मानसिक थकान दूर होगी।

रात में ड्राइव न करें...

शरीर की घड़ी के अनुसार चलें। यानी कि जब सोने का बक्तूत होता है तो उस समय ड्राइव न करें। जैसे कि बार-बार द



# कंडक्टर ने 1 रुपया नहीं लौटाया, कोर्ट ने दिलाए 2000

दुकानदार इसके बदले देता है टॉफी, करें शिकायत, एक-एक रुपए से ऐसे कमाएं लाखों

बैंगलुरु (एक्सक्लूसिव डेस्क), 21 फरवरी। जहां हम और आप दुकानदार के पास बिना सोचे ही एक रुपया छोड़ आते हैं वहां बैंगलुरु में एक अदमी एक रुपए के लिए कंज्यूमर कोर्ट पहुंच गया।

दरअसल, इस आदमी को बस कंडक्टर ने एक रुपया नहीं लौटाया था। बस फिर क्या था, आदमी पहुंच गया अदालत। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की न सिर सराहना की बल्कि बैंगलुरु में प्रोटोलिट ट्रांस्पोर्ट कॉर्पोरेशन से 2 हजार रुपए का मुआवजा भी दिलाया।

यदि करें अपने दादा-दादी, नाना-नानी को। जो अक्सर ये कहते रहते हैं कि हमारे जमाने में एक रुपए में बहुत सारी चीजें आ जाती थीं। आज की जेनरेशन को यह बात स्टोरी टेलिंग की तरह लगती है।

इसलिए तो जब भी हमें एक-दो रुपए दुकानदार नहीं लौटाता या फिर उसके बदले टॉफी देता हम बुरा नहीं मानते। इसके पीछे ज्यादातर लोगों की सोच यह है कि एक ही रुपया तो है, इससे क्या हो जाएगा।

आज जरूरत की खबर में बात इसी एक रुपए की करें। 'एक रुपए से क्या ही हो जाएगा' और 'एक रुपया में मिलता ही क्या है' की सोच को भी कुछ उदाहरण से बदलते करेंगे।

**तो सबसे पहले समझ लें कि 1 रुपए में क्या-क्या मिल सकता है**

टॉफी-कैंडी  
शैम्य का पातच  
केपच या सॉस का पातच

कंपनी का पैकेट  
फोटोस्टेट  
सिंदूर-बिंदी  
माचिस की डिल्ली  
सुर्ज  
हाजमोला

दृश्य लेने जाते हैं तो दुकानदार छुट्टे पैसे के बदले टॉफी देता है। इसी तरह शार्पिंग मॉल्स में कई चीजें 999 या 549 की मिलती हैं। उन्हें भी हम 1000 या 550 देकर 1 रुपया छोड़ देते हैं। क्या मैं अपना कोई नुकसान कर रही हूं?

जब किसी दुकानदार या शार्पिंग मॉल में एक रुपया छोड़ देती है तो जाहिर सी बात है कि आप अपना नुकसान कर रही हैं।

ज्यादातर शार्पिंग मॉल्स में इस तरह का प्राइस रखने की दो मुख्य वजह होती हैं—

कंज्यूमर की बैंक चीजें 999 में मिलती हैं।

जब किसी चीजें 999 में मिलती हैं तो देखने में ऐसा लगता है कि 900 रुपए की ही हो तो है, हजार की नहीं है।

बड़ी दुकानों पर ज्यादातर लोग एक रुपए के लिए ज़िग्गड़ नहीं करते और आसनी से एक रुपया छोड़ देते हैं। ऐसे में बड़ी दुकान और शार्पिंग मॉल वालों के इस एक-एक रुपया से काफी फायदा होता है।

उदाहरण से समझते हैं, मान लीजिए किसी कंपनी के भारत में उन्हें एक रुपया छोड़ देते हैं।

सामाजिक दबाव की वजह से लोग अपने एक रुपया नहीं मांग पाते।

कई बार जब एक रुपए के बदले टॉफी दी जाती है, तो कुछ लोग विरोध रख लेते हैं तो वही कुछ को लगता है कि इसका



इसके साथ ही आप अगर हर रोज किसी न किसी दुकान पर एक रुपया छोड़ रहे हैं तो इस हिसाब से आप हर साल 365 रुपया अक्सर खुला नहीं होता तो उससे भी ज्यादा रकम ऐसे ही जने दे रहे हैं। इसी पैसे को गुलक में भी अगली बार तो उसके बारे में ऐसा रखेंगे।

कई बार दुकानदार कहता है कि अगली बार ले लेना। मगर वह अगली बार कभी आ ही नहीं पाता।

**ज्यादातर लोग अपना एक रुपया छोड़ क्यों देते हैं?**

नुकसान होने के बावजूद ज्यादातर लोग एक रुपया आसानी से छोड़ देते हैं क्योंकि

लोगों को एक रुपया बहुत ही छोटी कीमत लगती है।

उन्हें एक रुपया मांगने हुए शर्म आती है।

सामाजिक दबाव की वजह से लोग अपने एक रुपया नहीं मांग पाते।

कई बार जब एक रुपए के बदले टॉफी दी जाती है, तो कुछ लोग विरोध रख लेते हैं तो वही कुछ को लगता है कि इसका

क्या करेंगे और वो अपना एक रुपया छोड़ देते हैं।

लोगों के खुले के पास भी एक रुपया अक्सर खुला नहीं होता तो उन्हें भी ज्यादा रकम ऐसे ही जाने दे रहे हैं।

कई बार दुकानदार कहता है कि अगली बार ले लेना। मगर वह अगली बार कभी आ ही नहीं पाता।

**कंज्यूमर कोर्ट में केस लड़ने के लिए ग्राहक को खुद पैसे खर्च करने होंगे?**

जी हां, शुरुआत में आपको इसके पैसे खुद ही देने होंगे। मुआवजे के तौर पर आप इसका खर्च भी कंपनी से क्लेम कर सकते हैं।

**इस मामले में याचिकाकर्ता को 2000 रुपए मिला मारा इससे ज्यादा तो उसने केस लड़ने में ही खर्च कर दिए होंगे। आरिम कंज्यूमर कोर्ट जाने पर खर्च कितना आता है?**

इस मामले में याचिकाकर्ता को 2000 रुपए मिला मारा इससे ज्यादा तो उसने केस लड़ने में खर्च कर दिए होंगे।

**कोर्ट पछेंगी आपका वकील है? तो कैहैं रांची के रिएक्टिव पॉलिस ने लड़ाया दिलाया है?**

इसके बाद आप अपना केस खुद लड़ाया है।

अपने से आपको पैसे के बदले उसके लिए एक रुपया कर सकते हैं।

इसके बाद आपको वकील के बदले उसके लिए एक रुपया कर सकते हैं।

डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में 1 लाख तक के मुआवजे वाले केस के लिए

हां, बिल्कुल। आप एक-दो रुपया के लिए भी कंज्यूमर कोर्ट जाने सकते हैं।

लोगों के खुले के पास भी एक रुपया अक्सर खुला नहीं होता तो उन्हें भी ज्यादा रकम ऐसे ही जाने दे रहे हैं।

कई बार दुकानदार कहता है कि अगली बार ले लेना। मगर वह अगली बार कभी आ ही नहीं पाता।

**कंज्यूमर कोर्ट में केस लड़ने के लिए ग्राहक को खुद पैसे खर्च करने होंगे?**

जी हां, शुरुआत में आपको इसके पैसे खुद ही देने होंगे। मुआवजे के तौर पर आप इसका खर्च भी कंपनी से क्लेम कर सकते हैं।

**इसके बाद आपको खर्च करने के लिए ग्राहक को खुद पैसे खर्च करने होंगे। आरिम कंज्यूमर कोर्ट जाने पर खर्च कितना आता है?**

इस मामले में याचिकाकर्ता को 2000 रुपए मिला मारा इससे ज्यादा तो उसने केस लड़ने में खर्च कर दिए होंगे।

**कोर्ट पछेंगी आपका वकील है? तो कैहैं रांची के रिएक्टिव पॉलिस ने लड़ाया दिलाया है?**

इसके बाद आपको वकील के बदले उसके लिए एक रुपया कर सकते हैं।

इसके बाद आपको वकील के बदले उसके लिए एक रुपया कर सकते हैं।

डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में 1 लाख तक के मुआवजे वाले केस के लिए

हां, बिल्कुल। आप एक-दो रुपया के लिए भी कंज्यूमर कोर्ट जाने सकते हैं।

लोगों के खुले के पास भी एक रुपया अक्सर खुला नहीं होता तो उन्हें भी ज्यादा रकम ऐसे ही जाने दे रहे हैं।

कई बार दुकानदार कहता है कि अगली बार ले लेना। मगर वह अगली बार कभी आ ही नहीं पाता।

**कंज्यूमर कोर्ट में केस लड़ने के लिए ग्राहक को खुद पैसे खर्च करने होंगे?**

जी हां, शुरुआत में आपको इसके पैसे खुद ही देने होंगे। मुआवजे के तौर पर आप इसका खर्च भी कंपनी से क्लेम कर सकते हैं।

**इसके बाद आपको खुद पैसे खर्च करने के लिए ग्राहक को खुद पैसे खर्च करने होंगे। आरिम कंज्यूमर कोर्ट जाने पर खर्च कितना आता है?**

इस मामले में याचिकाकर्ता को 2000 रुपए मिला मारा इससे ज्यादा तो उसने केस लड़ने में खर्च कर दिए होंगे।

**कोर्ट पछेंगी आपका वकील है? तो कैहैं रांची के रिएक्टिव पॉलिस ने लड़ाया दिलाया है?**

इसके बाद आपको वकील के बदले उसके लिए एक रुपया कर सकते हैं।

इसके बाद आपको वकील के बदले उसके लिए एक रुपया कर सकते हैं।

डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में 1 लाख तक के मुआवजे वाले केस के लिए

हां, बिल्कुल। आप एक-दो रुपया के लिए भी कंज्यूमर कोर्ट जाने सकते हैं।

**कोर्ट पछेंगी आपका वकील है? तो कैहैं रांची के रिएक्टिव पॉलिस ने लड़ाया दिलाया है?**

इसके बाद आपको वकील के

## चीन बोला- कीव जाकर बाइडेन ने आग में घी डाला

यूक्रेनी लोगों ने कहा- भरोसा जीता, रुसी एक्सपर्ट बोले- उक्साने के अलावा कुछ नहीं आता



मास्को, 21 फरवरी (एजेंसियां)। रुस-यूक्रेन जंग का एक साल पार होने के लीक 4 दिन पहले सौमंवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन अचानक कीव पहुंच गए। बाइडेन ने कीव पहुंच कर रुस को कड़ा मैसेज दिया। उन्होंने कहा कि वो जंग के मैदान में आकर भी वापस सही सलतम लौट सकते थे। उन्हें उक्साने के अलावा कुछ आता भी नहीं है।

**रुस के पूर्व सैन्य अधिकारी ने बाइडेन को दादा जी कहा**

रुस ने अभी तक अधिकारिक तौर पर बाइडेन के कीव दौरे पर कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि इसमें वही कीव पहुंच गए। बाइडेन ने कीव पहुंच कर रुस को कड़ा मैसेज दिया। उन्होंने कहा, मैं आज राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिलने कीव आया हूं, ये बताने की हम उनके साथ हैं।

बाइडेन के दौरे पर अब पूरी दुनिया से रिएक्शन आ रहे हैं। चीन के विदेश मंत्री किंग गेंग ने कहा- कुछ देश आग में घी

चैनल पर लिखा, बाइडेन का कीव में होना रुस के लिए शर्मनाक है। बहादूरी की बातें केवल बच्चों के लिए छोड़ देनी चाहिए।

वहीं रुस की फेडरल सिव्योएस्टी सर्विस के पूर्व अधिकारी इगोर गिरकिन ने बाइडेन को दादा जी कहा। उन्होंने कहा कि इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि वो जंग के मैदान में आकर भी वापस सही सलतम लौट सकते थे। उन्हें उक्साने के अलावा कुछ आता भी नहीं है।

एक टेलीग्राम चैनल जिसे रुस की सेना के अफसर मैनेज करते हैं उसमें एक अधिकारी ने लिखा कि पुतिन से वही बाइडेन के यूक्रेन दौरे का चिक्क करेगे। पुतिन पहले भी अमेरिका और पश्चिमी देशों पर यूक्रेन को भड़काने और जंग का लंबा खींचने के लिए न्यूकिलयर दैने के आरपण लगा चुके हैं।

यूक्रेन पर रुस के हमले को लगातार होना जाएगा। यहां एरियल एटैक सायरन (हावाई हमले का अलर्ट) गूंजना नई बात नहीं रह गई। सोमवार सुबह 8 बजे (यूक्रेन के बक्त के मुताबिक) अचानक इसकी आवाज तेज हो गई।

कीव में रहने वाली इन्ना रोमानित के रिपोर्ट के मुताबिक रुस के जानेवाने पत्रकार सर्गेंस मरदन ने टेलीग्राम

के लिए बाइडेन को दौरे से खुश यूक्रेन के लिए कीव में रहने वाली इन्ना रोमानित के रिपोर्ट के मूलभूत बहतरीन और मीडिया में काफी हलचल बढ़ी है।

सीन ने अभी तक अधिकारिक तौर पर बाइडेन की विविध बहतरीन है। आखिरकार हमारे पाठनर ये

साथित करने लगे हैं कि वो हमारे साथ हैं। मुझे पहले अमेरिका पर शक था पर उन्होंने अपनी दोस्ती को साथित कर दिया। वहीं कीव में ही रहने वाले युरो का मानना है कि बाइडेन को जल्द ही ऐलान कर देना चाहिए जो हमें एफ-16 जेट देने वाले हैं।

वहीं रुस के राष्ट्रपति लवादिमर पुतिन आज देश के लोगों को संवेदित करेंगे। आशंका जीता जी रही है कि इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि वो जंग के मैदान में आकर भी वापस सही सलतम लौट सकते थे। उन्हें उक्साने के अलावा कुछ आता भी नहीं है।

एक टेलीग्राम चैनल जिसे रुस की सेना के अफसर मैनेज करते हैं हैं उसमें एक अधिकारी ने लिखा कि पुतिन से वही बाइडेन के यूक्रेन दौरे का चिक्क करेगे। पुतिन पहले भी अमेरिका और पश्चिमी देशों पर यूक्रेन को भड़काने और जंग का लंबा खींचने के लिए न्यूकिलयर दैने के आरपण लगा चुके हैं।

यूक्रेन पर रुस के हमले को लगातार होना जाएगा। यहां एरियल एटैक सायरन (हावाई हमले का अलर्ट) गूंजना नई बात नहीं रह गई। सोमवार सुबह 8 बजे (यूक्रेन के बक्त के मुताबिक) अचानक इसकी आवाज तेज हो गई।

कीव में सूक्ष्मकारिक विवरणों के लिए एक सूक्ष्मपैट्रियल द्वारा बाइडेन की विविध बहतरीन विवरणों की फूट खोली गयी है।

कीव में रहने वाली इन्ना रोमानित के रिपोर्ट के मूलभूत बहतरीन और मीडिया में काफी हलचल बढ़ी है।

सीन ने अभी तक अधिकारिक तौर पर बाइडेन की विविध बहतरीन है। आखिरकार हमारे पाठनर ये

काबुल मुजाहिदीन का टॉप कमांडर बशीर अहमद मारा गया

2 हमलावरों ने गोली मारकर हत्या की, नमाज पढ़कर एक दुकान के पास खड़ा था

इस्लामाबाद, 21 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रावलपिंडी में सौमंवार को हिजबल मुजाहिदीन का टॉप कमांडर बशीर अहमद पीर मारा गया। हमलावर ने रावलपिंडी में एक दुकान के बाहर पीर को गोली मारी गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पिछले साल 4 अबद्दर को आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के चलते उसे अतांकवादी घोषित कर दिया गया था। पीर हिजबल मुजाहिदीन, लक्ष्मण-ए-तैयार जैसे सौंदर्णों को आगे बढ़ाने के लिए पूर्व-आंकवादियों को एकजुट करने के लिए कई ऑनलाइन एक्सीवीट्रीज में शामिल था।

**नमाज पढ़कर लौट रहा था, तभी हत्या हुई**

बशीर अहमद को इमियाज के नाम से भी जाना जाता था। जम्मू-कश्मीर में कई आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने में इसका हाथ था। वह हाजी, पीर और इमियाज के कोड नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर पिछले कुछ सालों से रावलपिंडी में रह रहा था। वह इंटेन्ट के जाएंस खमीर के खिलाफ लगातार लोगों को भड़का रहा था।

बाइडेन से आए और गोली मारकर हत्या की बशीर की हत्या कर दी।

**आतंकी संगठन में सक्रिय करने में जुटा था।**

बशीर अहमद को इमियाज के कोड नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था।

बशीर अहमद के नाम से जम





# रोहित चुनेंगे टेस्ट टीम का नया उप कप्तान अब प्लेइंग-11 से भी बाहर हो सकते हैं केएल राहुल, कौन लेगा उनकी जगह

खेल डेस्क, 21 फरवरी (एजेंसियां)। भारत की नई टेस्ट टीम में किसी भी खिलाड़ी को उप कप्तान नहीं बनाया गया। ओपनिंग बैटर टीम में रहेंगे। ऐसे में उनके प्लेइंग-11 में बने रहने की उम्मीद भी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कप्तान रोहित शर्मा टीम का नया उप कप्तान चुनेंगे।

आगे स्टोरी में हम जानेंगे कि टेस्ट टीम में कौन से प्लेयर्स उप कप्तान की भूमिका में आ सकते हैं। साथ ही जानेंगे कि प्लेइंग-11 में राहुल की जगह कौन ले सकता है।

**राहुल को क्यों हटाया गया?**

केएल राहुल को दिसंबर 2021 में टेस्ट टीम का उप कप्तान बनाया गया। उन्होंने 3 बार टीम की ओपनिंग भी ली तीन और एक में हार मिली, लेकिन इन टेस्ट में राहुल अपनी बैटिंग से कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। पिछली 9 पारियों में 23 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा। इस दौरान उन्होंने 8, 12, 10, 22, 23, 10, 2, 20, 17 और एक रन के स्कोर बनाए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बैटिंग में उनके खराब प्रदर्शन को देखते हुए सलेक्शन कमेटी ने कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। पिछली 9 पारियों में 23 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा। इस दौरान उन्होंने 8, 12, 10, 22, 23, 10, 2, 20, 17 और एक रन के स्कोर बनाए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बैटिंग में उनके खराब प्रदर्शन को देखते हुए सलेक्शन कमेटी ने कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके। पिछली 9 पारियों में 23 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा। इस दौरान उन्होंने 8, 12, 10, 22, 23, 10, 2, 20, 17 और एक रन के स्कोर बनाए।

खेल डेस्क, 21 फरवरी (एजेंसियां)। भारत की नई टेस्ट टीम में किसी भी खिलाड़ी को उप कप्तान नहीं बनाया गया। ओपनिंग बैटर टीम में रहेंगे। ऐसे में उनके प्लेइंग-11 में बने रहने की उम्मीद भी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कप्तान रोहित शर्मा टीम का नया उप कप्तान चुनेंगे।

आगे स्टोरी में हम जानेंगे कि

## कौन बनेगा नया उप कप्तान?



द्रविड़ और रोहित ने किया बचाव

इन सब के बीच कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच राहुल द्रविड़ ने राहुल की बैटिंग का बचाव किया। रोहित ने कहा कि खराब पर्फॉर्म है खिलाड़ी के करियर में आता है। राहुल ने विदेश में कई शतक जड़कर खुद को साबित किया है। आगे किसी खिलाड़ी में क्षमता होती है तो टीम मैनेजमेंट उन्हें मैके देती है। ऐसे सिर्फ केएल नहीं बाकीयों के साथ भी होता है।

रोहित का कहना इसलिए भी ठीक है क्योंकि वे खुद इसी दौर से गुजर चुके हैं। 2007 में डेव्यू किसे बना सकते हैं उप कप्तान?

टेस्ट डेव्यू किया। 2013 के बाद 2019-20 में वह टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर सके। ऐसे में राहुल का दर्द वे बहुत अच्छी तरह से साझाते हैं।

**क्या कोहली नहीं बन सकते उप कप्तान?**

नहीं, विषय कोहली ने 15 जनवरी 2022 को भारत की टेस्ट कप्तानी खुद से छोड़ी थी। उन्हें इस पद से हटाया नहीं गया। इससे साफ है कि विषय अब नेशनल टीम में किसी भी तरह की बड़ी उपलब्धि नहीं लेना चाहते। ऐसे में टीम मैनेजमेंट उन्हें उप कप्तान नहीं बनाएगी।

किसे बना सकते हैं उप कप्तान?

टीम इंडिया में इस वक्त उप कप्तान बनने के 3 मजबूत दावेदार नजर आ रहे हैं। अनुभवी बैटर चेतेश्वर पुजारा, बॉलर रविंद्रन अश्विन और मिडिल ऑर्डर वैटर श्रेयस अच्युत में से कोई एक नया उप कप्तान बन सकता है।

चेतेश्वर पुजारा: 35 साल के पुजारा भारत के लिए 100 टेस्ट मैच खेल चुके हैं और टेस्ट टीम के चुनिंदा परमानेंट मैबर्स में से एक हैं। इंजर्ड टीम होते हैं और अपने अनुभव से रोहित की गैरेजेज़ दूरी भी कमान संभाल सकते हैं।

रविंद्रन अश्विन: 36 साल के अश्विन भारत के लिए 100 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। IPL और खेल रुकिकेट में कप्तानी का अनुभव भी है। अश्विन नए उप कप्तान हो सकते हैं, लेकिन विदेश के टेस्ट में भारतीय टीम एक ही स्पिनर को प्लेइंग-11 में शामिल करती है। तब अश्विन और रविंद्र जडेजा में से किसी एक को ही मोका कराना है। ऐसे दूर हो गए हैं। आगे खेल मौजूद रहते हैं और अपने अश्विन का सलेक्शन मुश्किल लगता है।

श्रेयस अच्युत: 28 साल के श्रेयस ने पिछले कुछ सालों में भारत के बाद टेस्ट ऑर्डर में शामिल करती है। उनके बाद एक नेशनल टीम में किसी भी तरह की बड़ी उपलब्धि नहीं लेना चाहते। ऐसे में अश्विन का सलेक्शन मुश्किल लगता है।

श्रेयस अच्युत: 28 साल के श्रेयस ने पिछले कुछ सालों में भारत के बाद टेस्ट ऑर्डर में शामिल करती है। उनके बाद एक नेशनल टीम में किसी भी तरह की बड़ी उपलब्धि नहीं लेना चाहते। ऐसे में अश्विन का सलेक्शन मुश्किल लगता है।

जसप्रीत बुमराह अच्छा विकल्प हो सकते थे, लेकिन इंजरी के चलते वे कई बार टीम से बाहर ही रहते हैं। व्रषभ पंत इंजरी के चलते लंबे समय भी कमान से दूर हो गए हैं। आगे खेल मौजूद रहते हैं और अपने साथ भी किसी एक स्पिनर को लेना चाहते हैं। उनके साथ भी किसी एक स्पिनर को लेना चाहते हैं। जसप्रीत बुमराह अच्छा विकल्प हो सकते थे, लेकिन इंजरी के चलते वे कई बार टीम से बाहर ही रहते हैं। व्रषभ पंत इंजरी के चलते लंबे समय भी कमान से दूर हो गए हैं। आगे खेल मौजूद रहते हैं और अपने साथ भी किसी एक स्पिनर को लेना चाहते हैं।

जसप्रीत बुमराह अच्छा विकल्प हो सकते थे, लेकिन इंजरी के चलते वे कई बार टीम से बाहर ही रहते हैं। व्रषभ पंत इंजरी के चलते लंबे समय भी कमान से दूर हो गए हैं। आगे खेल मौजूद रहते हैं और अपने साथ भी किसी एक स्पिनर को लेना चाहते हैं।

इन खिलाड़ियों को अनुभव नहीं

जसप्रीत बुमराह अच्छा विकल्प हो सकते थे, लेकिन इंजरी के चलते वे कई बार टीम से बाहर ही रहते हैं। व्रषभ पंत इंजरी के चलते लंबे समय भी कमान से दूर हो गए हैं। आगे खेल मौजूद रहते हैं और अपने साथ भी किसी एक स्पिनर को लेना चाहते हैं।

इन खिलाड़ियों को अनुभव नहीं

जसप्रीत बुमराह अच्छा विकल्प हो सकते थे, लेकिन इंजरी के चलते वे कई बार टीम से बाहर ही रहते हैं। व्रषभ पंत इंजरी के चलते लंबे समय भी कमान से दूर हो गए हैं। आगे खेल मौजूद रहते हैं और अपने साथ भी किसी एक स्पिनर को लेना चाहते हैं।

खेल डेस्क, 21 फरवरी (एजेंसियां)। भारत की टीम में अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और केएस भरत जैसे खिलाड़ियों को अनुभवी खिलाड़ियों में अदिति के कैडी उनके पास भी कमान से दूर हो गए हैं। आगे खेल मौजूद रहते हैं और अपने साथ भी किसी एक स्पिनर को लेना चाहते हैं।

इन खिलाड़ियों को अनुभव नहीं

जसप्रीत बुमराह अच्छा विकल्प हो सकते थे, लेकिन इंजरी के चलते वे कई बार टीम से बाहर ही रहते हैं। व्रषभ पंत इंजरी के चलते लंबे समय भी कमान से दूर हो गए हैं। आगे खेल मौजूद रहते हैं और अपने साथ भी किसी एक स्पिनर को लेना चाहते हैं।

इन खिलाड़ियों को अनुभव नहीं

जसप्रीत बुमराह अच्छा विकल्प हो सकते थे, लेकिन इंजरी के चलते वे कई बार टीम से बाहर ही रहते हैं। व्रषभ पंत इंजरी के चलते लंबे समय भी कमान से दूर हो गए हैं। आगे खेल मौजूद रहते हैं और अपने साथ भी किसी एक स्पिनर को लेना चाहते हैं।

इन खिलाड़ियों को अनुभव नहीं

जसप्रीत बुमराह अच्छा विकल्प हो सकते थे, लेकिन इंजरी के चलते वे कई बार टीम से बाहर ही रहते हैं। व्रषभ पंत इंजरी के चलते लंबे समय भी कमान से दूर हो गए हैं। आगे खेल मौजूद रहते हैं और अपने साथ भी किसी एक स्पिनर को लेना चाहते हैं।

इन खिलाड़ियों को अनुभव नहीं

जसप्रीत बुमराह अच्छा विकल्प हो सकते थे, लेकिन इंजरी के चलते वे कई बार टीम से बाहर ही रहते हैं। व्रषभ पंत इंजरी के चलते लंबे समय भी कमान से दूर हो गए हैं। आगे खेल मौजूद रहते हैं और अपने साथ भी किसी एक स्पिनर को लेना चाहते हैं।

इन खिलाड़ियों को अनुभव नहीं

जसप्रीत बुमराह अच्छा विकल्प हो सकते थे, लेकिन इंजरी के चलते वे कई बार टीम से बाहर ही रहते हैं। व्रषभ पंत इंजरी के चलते लंबे समय भी कमान से दूर हो गए हैं। आगे खेल मौजूद रहते हैं और अपने साथ भी किसी एक स्पिनर को लेना चाहते हैं।

इन खिलाड़ियों को अनुभव नहीं

जसप्रीत बुमराह अच्छा विकल्प हो सकते थे, लेकिन इंजरी के चलते वे कई बार टीम से बाहर ही रहते हैं। व्रषभ पंत इंजरी के चल

